शादी से पहले पति के सामने चुत चुदाई-5

“मेरी इस चूत चोदन कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने
अपने भानजे से अपनी चूत की कामुकता मिटवाई थी
पहली बार उसकी उंगलियाँ चूत में लेकर ! …”

Story By: vandhya (vandhyap)
Posted: शनिवार, मई 5th, 2018
Categories: चाची की चुदाई
Online version: शादी से पहले पति के सामने चुत चुदाई-5

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शादी से पहले पति के सामने चुत चुदाई-5

> जब पापा छुट्टी पर मुंबई से आते तब जब भी मम्मी पापा अंदर होते तो दरवाजे के होल से चुदाई करते देखती थी। मम्मी पापा की चुदाई देख कर मैं खुद को सम्भाल नहीं पाती थी। मैं मम्मी के कमरे में चारपाई के नीचे चुपके से घुस जाया करती थी. एक बार जब पापा के दोस्त धनंजय चाचा और दूसरे बार जब कमलेश अंकल आये थे, तब मैं चारपाई के नीचे थी इसलिए देख कुछ नहीं पायी थी पर बातें, आवाज सब सुनी. उसी समय से मेरा मन भी अपने अंदर घुसवाने करने लगा था.

एक बार की बात है गर्मी की छुट्टियों में मेरी कजिन बहन सुनन्दा का युवा बेटा पीयूष मेरे साथ खेल रहा था. मैं उस से खेल खेल में बोली- चल तू और मैं भी दुल्हन दुल्हा का खेल खेलें !
वो बोला- ठीक है मौसी।

घर में कोई नहीं होता था, पापा मुंबई जहाज में काम करने चले ही जाते थे और मम्मी खेत चली जाती थी।

मैं दुल्हन की तरह सज गई, मैंने सुहागरात की तरह उसको ग्लास में दूध पिलाया और अपने साथ चारपाई पर ले गयी और उसे बोली- मेरे सब कपड़े उतार दो !
वो बोला- ठीक है मौसी !
मैं बोली- मुझे मौसी मत बोलो, मैं आज तुम्हारी बीवी हूं, तुम मुझे वन्द्या बोलो !
वह बोला- ठीक है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उसे कहा- आप बिस्तर में चलो !
मेरा भानजा पीयूष मेरे साथ बिस्तर में चला गया.
मैंने कहा- अब मेरे सारे कपड़े उतारो !

पीयूष ने मेरे सारे कपड़े उतार दिये। अब मैं उसके सामने बिल्कुल नंगी हो गई.
मैं भी पीयूष के कपड़े उतारने लगी, तो उसने मना किया ; तब मैं बोली- इस खेल में दोनों के कपड़े उतारने होते हैं !
वह मान गया, मैंने उसे नंगा कर दिया, अब मैं उससे लिपट गई और पीयूष के होठों पर अपने होंठ रख दिए. यह मेरी जिंदगी की पहली लिप किस थी, या यूं कहिए कि जो आज कर रही थी सब कुछ आज पहली बार ही फिजिकली कर रही थी.

मैं और पीयूष दोनों एक दम नंगे दोनों के बदन पर एक भी कपड़ा नहीं था, एक दूसरे से लिपट गये.
मैं उसके होंठों को जब चूम रही थी तो उसकी गर्म सांसें मेरे नाक में आ रही थी और मुझे पागल बना रही थी. मैंने जोर से उसके मुख में अपनी जीभ डाल दी.

इसके बाद दोनों अपनी बांहों में पीयूष को जकड़ लिया, पीयूष बोला- वन्द्या, मुझे दबा दोगी क्या ?
मैं बोली- तुम मेरे दूल्हा हो… आज तुम्हें नहीं छोड़ूंगी !

उसके बाद मैं उसकी जीभ को निकाल कर अपने होठों से चाटती रही, पीयूष कुछ कर नहीं रहा था, मुझे ही बोलना पड़ता था, मैं पीयूष को बोली- अब मेरे ऊपर चढ़ जाओ !
और पीयूष मेरे ऊपर चढ़ गया, उसकी कमर मेरी कमर से, जांघों से जांघें से सट गयी और उसका सीना मेरे सीने से !

मैं बोली- पीयूष, मेरे दूध दबाओ दोनों हाथों से पकड़ कर जोर जोर से !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तभी पीयूष मेरे चूचों को दबाने लगा.
मैं बोली- और जोर से दबाओ!
तो उसने फिर और ताकत से दबाया, मुझे बहुत कुछ होने लगा, अब मैं बोली- पीयूष दोनों चूचों को चूसो!

तब पीयूष मेरे बूब्स को अपने मुंह में भर के चूसने लगा और उसे बिल्कुल ही कुछ भी नहीं पता था, तो बोला- वन्द्या, तुम्हारे दूधों से लगता है दूध नहीं निकल रहा है।
मैं फुल सेक्स के मूड में थी, तो मैं बोली- पीयूष, मेरे बूब्स जमकर चूसो जब तक दूध न निकले!
पीयूष बोला- पी रहा हूं!
और पीयूष जोर जोर से चूसने लगा.

करीब 15 मिनट मेरे मस्त दूध चूसता रहा और मैं पागल हो गई.
फिर वो बोला- वन्द्या तुम्हारे चूचे छोटे हैं, लगता है इसीलिए इनसे दूध नहीं निकल रहा, मैं चूसते चूसते थक गया।

तभी उसके बूब्स चूसने और इस तरह की मस्त बातों से मुझमें बहुत जोश आ गया और मैं पीयूष के लन्ड को जोर से पकड़ कर ऊपर नीचे करने लगी और बोली- जाने दे पीयूष, तू रोज ऐसे दबाना और चूसना तो मेरे बूब्स बहुत बड़े हो जायेंगे और इनसे दूध भी निकलने लगेगा, और जब दूध इनसे निकलने लगेगा तो मैं दूध तुम्हें पिला दूंगी.

पीयूष बोला- सच वन्द्या, तुम कितनी अच्छी हो, मुझे अपने दूध जरूर पिलाना, मुझे दूध बहुत पसंद है।
मैं बोली- पक्का तुम्हें अपने दूध पिलाऊंगी… पर अभी मेरे टांगों को फैला दो!
और मैं अपनी उंगली अपनी चूत में रख कर बोली- यह जो तुम्हारा लंड है, जिससे तुम सुसु करते हो, इसे यहां डालो और घुसा दो।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तो पीयूष बोला- वन्द्या क्या होगा इससे ?
मैं बोली- तुम खुश हो जाओगे… और पीयूष, तुम्हें बहुत मजा आएगा और मुझे तो बहुत ही मजा आयेगा।

तभी पीयूष ने मेरी टांगों को फैलाया, मैंने अपने दोनों पैर भी ऊपर कर लिए और बोली- पीयूष डालो अपना लन्ड… जिससे सूसू करते हो उसका नाम लन्ड है।
पीयूष का लन्ड कुछ छोटा था और ढीला भी इसलिए जैसे ही उसने घुसाया तो घुस ही नहीं रहा था, मैंने अपनी चूत और कमर उठा दी, तब भी लन्ड नहीं घुसा, मैं बहुत प्यासी हो गई, मेरा मन बहुत करने लगा कि कैसे भी मेरी चूत में लन्ड घुस जाये.

मैं समझ गयी कि पीयूष का लन्ड नहीं घुसेगा, मैं बोली- ऐसा करो पीयूष, मेरी टांगों के बीच मेरी चूत में अपना लन्ड ऐसे ही रखे रहने दो और अब अपनी उंगली मेरी चूत में डालो।
तभी पीयूष ने अपनी उंगली मेरे चूत में डाल दी, जैसे ही पीयूष ने उंगली मेरी चूत में डाली, मुझे लगा कि उसने अपना लन्ड डाल दिया, जैसे ही उंगली घुसी मैं बिल्कुल तड़प उठी और पीयूष को कस के जकड़ कर बोली- आई लव यू मेरे दूल्हे राजा… मेरे पति… और डालो जोर से पूरा लौड़ा अन्दर घुसा दो।

तब पीयूष बोला- वन्द्या इतनी ही बड़ी है मेरी उंगली… पूरी घुसा चुका हूं।
मैं बोली- ऐसा करो, अपनी दो उंगलियां डालो मेरी चूत में !
उसने दो की जगह तीन उंगलियां डाल दी।

पीयूष की लंबी पतली उंगलियाँ मेरी चूत में घुसी, तब सच में मुझे थोड़ा दर्द हुआ और मैं अपना पूरा कमर उछालते हुए पीयूष को बोली- पीयूष जोर जोर से उंगलियां डालो !
फिर सॉरी बोल के बोली- लन्ड डालो।
शायद मैं पागल हो रही थी.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जब पीयूष चूत में अंदर बाहर करने लगा था, पीयूष बोला- तुम्हारी चूत बहुत गर्म है. लगता है उंगलियां जल जायेंगी.
मैं बोली- पीयूष और जोर से डालो मेरे अंदर अपना लन्ड… मेरी चूत में बहुत आग है और बहुत खुजली भी है । तुम्हें बहुत मजा आएगा, पीयूष जम कर चोदो मुझे, फाड़ दो मेरी चूत ! और जोर से डालो, पूरा घुसा दो !

पीयूष जम कर अंदर बाहर करने लगा, मुझे जरा भी ध्यान नहीं रहा कि पीयूष उंगली से चोद रहा है, मुझे लगा कि जैसे मेरे चूत में उंगली नहीं लन्ड घुसा है और मैं जल्दी जल्दी चुदाई करवाने लगी.
वो जल्दी-जल्दी अंदर बाहर करने लगा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा था, मैंने पीयूष के होठों को जोश में काट दिया।
पीयूष बोला- बहुत दर्द हो रहा है, मत काटो वन्द्या !

मारे जोश के मैं पीयूष के पीठ में नाखून से काटने लगी।
पीयूष बोला- वन्द्या तुम्हारे अंदर चूत में बहुत गर्म गर्म लग रहा है, ऐसा लग रहा है उंगलियां जल जाएंगी मेरी !
मैं बोली- मैं बहुत चुदासी हूं इसलिए मेरी चूत में आग है, मेरे राजा और जोर जोर से डाल दे पूरा अंदर घुसा !
और मैंने उसकी पीठ को नोच कर काट दिया.

पीयूष करीब 15 मिनट रगड़ता रहा अंदर-बाहर… तब मेरी चूत से बहुत जोर से चूत का रस पिचकारी की तरह निकलने लगा। यह मेरे जीवन की पहली चुदाई थी, टूटा फूटा जैसा भी… यह मेरा पहला चुदाई का चरमोत्कर्ष था, बहुत मजा आया मुझे… जन्नत दिख गया इन 30-40 मिनटों में !

अब पीयूष से लिपट कर मैंने उसके होठों को चूमा और फिर बोली- अब तुम जा सकते

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हो… और ये खेल किसी को बताना नहीं।
फिर वो जाने लगा तो मैं बोली- थैंक्यू पीयूष!
उसने अपने कपड़े पहने और चला गया।

आज मैंने जाना कि कितना मजा होता है चुदाई में… आज पहली बार ऐसे कामुक आनन्द का अहसास हुआ।
मैंने जैसे ही अपनी यह सच्ची बात दोनों को सुनाई, बालू और आशीष दोनों ही एकदम जोश में आ गए और मुझे बोले- सच में तुम तो वंध्या पहले से ही इतनी सेक्सी हो बहुत चुदासी रहती हो। थैंक यू और तुम्हारे कमलेश चाचा को जिन्होंने तुम्हें वह सेक्स कहानी की बुक और मैगजीन दी, और थैंक्यू तुम्हारी मम्मी को जिसके कारण तुम इस तरह लाइफ को इंजॉय करने लगी. वन्द्या तुम बहुत सेक्सी लड़की हो तुम्हारे जैसी कोई नहीं!

यह कह कर आशीष और बालू दोनों ही मुझसे लिपट गए।

तभी बालू बोला- आशीष, तुम वन्द्या की चूत को जबरदस्त चोदो!
ऐसा कह कर बालू, मेरा होने वाला पति मेरे मुंह में अपना लन्ड देने लगा, बोला- रंडी साली तू तो एक नंबर की रांड है। बता वन्द्या आज तक में कितने लोगों से चुदवा चुकी है?
आशीष बोला- बालू भाई, अभी मत पूछो, आराम से… जब तुम्हारी बीवी बन जाएगी, तब फिर इसकी चुदाई की सच्ची कहानियां सुन सुन के इसको चोदते रहना… और हो सके तो मुझे भी बुला लेना। फिलहाल आज तो इसको चोदो!

आशीष मेरे ऊपर आकर मेरी जांघों को चाटने लगा और अपनी दो उंगलियां मेरी चूत में डाल दी। फिर आशीष उधर मेरे पैरों को चाटते हुए जांघों को बहुत सहलाने लगा।
जैसे ही आशीष की उंगली मेरी चूत में घुसी, मैंने जोर से मुंह खोला, तभी बालू अपना लन्ड मेरे मुख में घुसा दिया।
बालू बोला- क्या मस्त लग रही है वन्द्या… तुझे पाके मेरी लाइफ बन गई। चाहे तो तुझे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जितने लोगों ने चोदा हो या तू चाहे जितनों से चुदी हो, मैं फिर भी सिर्फ तुझी से शादी करूंगा। मुझे ऐसी ही लड़की चाहिए थी, मैं तुझे ना भी चोदूं, सारी उमर तक तुझे चुदते हुए देख कर मस्त जिंदगी गुजार दूंगा।

इतने में आशीष उठा और मेरे ऊपर चढ़ गया, और आशीष ने दोनों हाथों से मेरे एक एक बूब्स पकड़ कर पूरी ताकत से दबाने लगा और अपने होठों को मेरी नाभि में रख दिया, अपने गरम होंठ से मेरी सेक्सी नाभि को चूमने लगा।

अब मेरे से रहा नहीं गया और मैं बहुत जोर से बालू का लन्ड चूसने लगी.

इतने में पूरी ताकत से आशीष मेरे दोनों बूब्स दबाने लगा और नीचे मेरी चूत में आशीष का लन्ड रगड़ खा रहा था। अब मुझसे रह पाना मुश्किल हो गया, मैंने अपनी कमर उठा दी. तभी आशीष को पता लग गया कि मैं अब लंड घुसवाना चाहती हूं, आशीष मेरे होने वाले पति बालू से बोला- बालू भाई, आज इस वन्द्या को अपन दोनों एक साथ चोदते हैं, बालू तुम ऐसा करो आ जाओ पीछे इसकी गांड में डाल दो, तुम्हारा पेनिस भी छोटा है और आराम से उसकी गांड में चला जाएगा। यह बहुत मस्त गांड और चूत में एक साथ चुदाई करवाती है।

तब बालू बोला- मैंने आज तक ब्लू फिल्मों के अलावा कभी पीछे गांड का सुना नहीं कि कोई लड़की गान्ड में भी चुदवाती है।
आशीष ने अपनी एक घटना सुनानी शुरू की :
माफ करना बालू भाई, और बुरा मत मानना क्योंकि तुम्हारी होने वाली बीवी है वन्द्या… पर अभी दो साल पहले एक बार सतना में मैं और वन्द्या ने मिलने का प्रोग्राम बनाया। मेरे पास मिलने की जगह नहीं थी तो एक रिश्तेदार था मेरा शिवम नाम है, मेरी दीदी का देवर है, उससे मेरे दोस्ती भी है, उससे मैंने हेल्प मांगी और बोला शिवम भाई बुधवार को दो घंटे के लिए मुझे अपना रूम दे देना. उसने कहा ठीक है 'डन', तब मैंने वन्द्या को बोला आ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जाओ !

सुबह 11 बजे वन्द्या आ गयी सतना अपने गांव से ! वन्द्या को पन्द्रह सौ रुपए के कपड़े खरीदवाये और उसके बाद वन्द्या को बोला 'चलो एक रूम मिला है !
वन्द्या बोली- चलो !

मैंने शिवम को बुलाया रूम की चाभी के लिए, वो आया काफी हाउस के पास जहां हम दोनों खड़े थे, आया और मैंने वन्द्या से परिचय कराया, शिवम के बारे में बताया कि ये मेरी दीदी का देवर है। शिवम वन्द्या को बहुत ही ध्यान से देखने लगा और फिर मुझे बोला- आशीष तुमसे कुछ पर्सनल बात करनी है.
थोड़ा बगल से ले जा कर मुझसे बोला- इस लड़की वन्द्या से तुम शादी करोगे ?
मैंने कहा- नहीं करूंगा, चाहूं भी तो हमारे घर वाले नहीं करेंगे.
"ये बात वन्द्या को भी पता है कि तुम दोनों शादी नहीं करोगे ?"
मैं बोला- हां हम दोनों को क्लीयर हैं कि हम दोनों की शादी नहीं होगी !
"इसका मतलब तुम दोनों फुल इंजवाय कर रहे हो ?"

मैं बोला- हां, ऐसा ही समझ लो।
तब शिवम ने सीधे बोला- मुझे भी वन्द्या की दिलवाओ, कैसे भी जमाओ आशीष... मैं तो रिश्तेदार हूं तुम्हारा !
मैंने कहा- ये संभव नहीं !
तो शिवम बोला- मैं रूम भी नहीं दूंगा।
अब मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था, मुझे कोई रूम मिल नहीं सकता था, मैंने बिना वन्द्या से पूछे शिवम को हां कर दिया, बोला कि जब मैं रूम के अंदर चला जाऊं वन्द्या के साथ उसके दस पन्द्रह मिनट बाद अंदर आना.
शिवम बोला- बिल्कुल जैसा तुम बोलो आशीष, क्या मस्त माल पटाया है तुमने यार !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसके होंठ नाक और आंखें कितनी खूबसूरत है लगता है बहुत चुदासी है ! मैंने वन्द्या से सेक्सी लड़की आज तक नहीं देखी, बहुत मजा आएगा।

जब रूम में आ गई वन्द्या और मैं लिपट गया, वन्द्या के होंठ चूसने लगा, फिर बूब्स दबाने लगा तो वन्द्या गर्म होने लगी. मैंने वन्द्या की लैगी और पैंटी एक साथ उतार कर सीधे टांगें फैला कर जैसे चूत में मुंह रखा, पूरी चूत बह रही थी, मैं समझ गया बहुत गर्म है, पहले से ही चुदाई का सोच लिया होगा.

तब मैंने वन्द्या से कहा- एक बात है वन्द्या, जिसका ये कमरा है वो भी अपने साथ रहेगा ! वो भी तुमसे करेगा, वह भी आएगा, बोला है मैं भी रहूंगा और करूंगा तुम्हारी गर्लफ्रेंड से ! और मैंने हां कर दिया है क्योंकि जब मैंने ना किया तो वह बोला मैं रूम नहीं दूंगा।
वन्द्या बोली- मैं उससे नहीं करूंगी.
मैं बोला- तो फिर चलो रूम से ! वह नहीं मानगा, बस इसी एक बात पर माना था बस।
मैं बोला- चलो उठो जल्दी चलते हैं, पहनो कपड़े, अपन चलते हैं ! आज का सब यही खत्म चलो, वो आकर भगा देगा।

पता नहीं, दो मिनट वन्द्या ने कुछ सोचा, फिर बोली- ठीक है, बुला लो उसे जिसका रूम है यह ! जब तुमने हां कर ही दिया है !
यह बहुत गजब का दिन था. उस दिन की पूरी कहानी वन्द्या से तुम सुन लेना बालू भाई, तभी मैंने और शिवम ने दोनों ने एक साथ इस वन्द्या को चोदा था, और मैं सोच भी नहीं सकता था कि वन्द्या इतनी सेक्सी और हॉट लड़की है, इसने उस दिन आगे चूत में लन्ड और पीछे गांड में दोनों में लन्ड लिए थे और बहुत मस्त आगे पीछे से चुदवाई थी।

मेरी चूत चोदन कहानी जारी रहेगी. मेरी स्टोरी में सब कुछ सच है. मेरी स्टोरी आपको कैसी लगी ? आप मुझे मेरी मेल आईडी पर मेल करके बता सकते हैं।
vandhyap14@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Aflam Porn

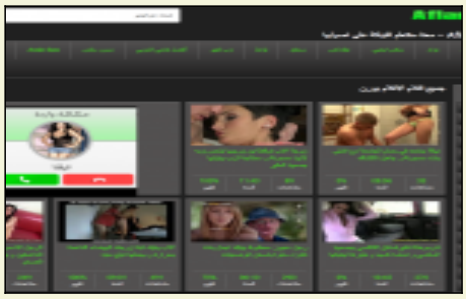

URL: www.aflamporn.com **Average traffic per day:** 270 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Suck Sex

URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action.

Velamma

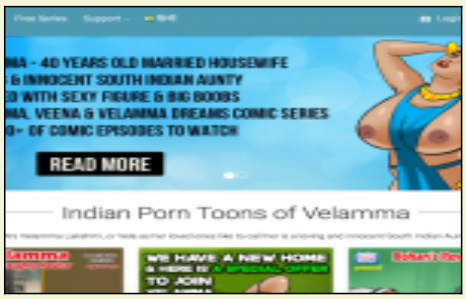

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire